

[This question paper contains 3 printed pages.]

2973

Your Roll No.

M.A./II

A

POLITICAL SCIENCE

Course 15(c) – Development Process and Politics in India

(Admissions of 2002 and onwards)

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

(Write your Roll No. on the top immediately
on receipt of this question paper.)

Note :- The maximum marks printed on the question paper are applicable for the candidates registered with the School of Open Learning for the M.A./ M.Com. These marks will, however, be scaled down proportionately in respect of the students of regular colleges, at the time of posting of awards for compilation of result.

नोट :- प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक 'स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग' के एम.ए./एम.कॉम. में प्रवेश-प्राप्त छात्रों के लिए मान्य हैं। नियमित विद्यार्थियों के लिए इन अंकों का समानुपातिक पुनर्निर्धारण परीक्षाफल तैयार करते समय किया जाएगा।

Note :- Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :- इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any four questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

P.T.O.

1. Critically analyse the modernization theory of development.

विकास के आधुनिकीकरण के सिद्धांत का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

2. Discuss the feminist understanding of the issue of development through the WID approach.

WID उपागम के माध्यम से विकास के मुद्दे के नारीअधिकारवादी बोध का विवेचन कीजिए।

3. What are the problems of the Gandhian understanding of development?

विकास के गांधीवादी बोध की क्या समस्याएँ हैं?

4. Explain the main principles of the Nehruvian strategy of development that India adopted in the early decades following independence.

स्वतंत्रता के पश्चात् के प्रारंभिक वर्षों में भारत द्वारा अपनाई नेहरू प्रतिपादित रणनीति के प्रमुख सिद्धांतों को स्पष्ट कीजिए।

5. Critically discuss Sudipta Kaviraj's conception of the passive revolution in India.

भारत में निष्क्रिय क्रांति की सुदीप्त कविराज की संकल्पना का आलोचनात्मक विवेचन कीजिए।

6. Critically elaborate the term "Dominant proprietary classes" explained by Pranab Bardhan to describe the nature of the India state.

भारतीय राज्य के स्वरूप के वर्णन के लिए प्रणव बर्धन द्वारा प्रयुक्त "प्रभावी स्वामी-वर्ग" पद का आलोचनात्मक विशदीकरण कीजिए।

7. Examine the term "dominant proprietary classes" used by Pranab Bardhan to describe the India state.

भारतीय राज्य को समझाने के लिए प्रणव बर्धन द्वारा प्रयुक्त पद "प्रभावी स्वामी-वर्ग" का परिक्षण कीजिए।

8. Evaluate the impact of globalization on the Indian economy.

भारतीय अर्थव्यवस्था पर वैश्वीकरण के प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए।